बिहार विधान-सभा वादवृत्त

[भाग–२ कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित]

शनिवार, तिथि २८ मार्च, १९८१ ई०

विषय-सूची

पृष्ठ

विशेषाधिकार प्रश्न के बारे में चर्चा १–४

स्थगन प्रस्ताव की सूचना ४–५

शून्यकाल की चर्चाएँ :

(क) कैदियों के समक्ष पीने के पानी की समस्या ५

(ख) श्री अशोक कुमार सिंह की हत्या ५

(ग) एम० ए० एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई ६

(घ) सिंचाई के लिए लिफ्ट पम्प की व्यवस्था ६

(ङ) नियुक्ति में आरक्षण की अवहेलना ६–७

(च) श्री राजनन्दन सिंह को पुनर्स्थापित करना ७

(छ) प्रबंधक द्वारा कॉलेज का प्रभार नहीं छोड़ना ७

अभी तक नहीं हुई है । अतः मांग करता हूँ कि सरकार औराई के सभी अक्षम आयोग्य एवं निष्क्रिय पुलिस पदाधिकारियों की शीघ्र स्थातान्तण करे ।

(ढ) राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण में फिल्म का महत्व ।

*श्री चन्द्रमोलेश्वर सिंहः—अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण में फिल्म प्रमुख हिस्सा अदाय करता है । वैसे फिल्म बनाये जांय जिनमें समाजिक जीवन की कहानियां हों और जिनसे राष्ट्रीय भावना उतपन्न किया जा सके । यों तो रेडियो टेलिविजन , प्रेस और फिल्म की स्वतंत्रता की जरूरत है कि निगम के माध्यम से वैसे फिल्म तैयार करें जिनसे लोगों में राष्ट्रीय भावना जागृत हो । हमारे समक्ष परिवार नियोजन, दहेज प्रथा, जातिवाद, सुरक्षा, मंहगाई, एवं भ्रष्टाचार जैसी समस्यायें हैं जो विचार की संकीर्णता के कारण हुआ है जिन्हे सामाजिक फिल्मों के माध्यम से दूर कर सकते हैं ।

(ण) पलामू जिला में जातीय संघर्ष होने की संभावना ।

*श्री मुन्शी लाल राय—पलामू जिलान्तर्गत अमवा ग्राम (पाटन) में खाता न० १२३ प्लौट १२८- १२९-१३१ रकवा ६-५२ एकड़ जमीन (परती कदीम) है । उसी जमीन से होकर अमवा डिहरिया तथा पकरी के लोगों का एक मात्र निकसार एवं चारागाह है तथा श्मसान एवं देवस्थान है । इसकी पुष्टि सभी जांच पदाधिकारी ने की है । सार्वजनिक उपयोग की यह जमीन स्थानीय भूस्वामी अपने मजदूर के द्वारा अवैध कब्जा करना चाहते हैं । जिससे शांति भंग होने की संभवना है और जातीय संघर्ष भी संभव है । मालूम हुआ है कि आज सात दिनों से लोग घरों में बंद हैं । बाहर जाना उन्हे मुश्किल है । अतः सरकार इसकी खुली जांच आयुक्त रांची द्वारा तत्काल करावें जिससे वहां की स्थिति पूर्ववत बन सके ।